



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)  
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 93]

No. 93]

नई दिल्ली, बुधस्वतिवार, मार्च 3, 2005/फाल्गुन 12, 1926

NEW DELHI, THURSDAY, MARCH 3, 2005/PHALGUNA 12, 1926

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 3 मार्च, 2005

सं. 16/2005-केन्द्रीय उत्पाद शुल्क (एन.टी.)

सा.का.नि. 150(अ).— केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की धारा 37 और वित्त अधिनियम, 1994 (1994 का 32) की धारा 94 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय मूल्य वर्धित कर प्रत्यय नियम, 2004 में और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :-

1.(1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम केन्द्रीय मूल्य वर्धित कर प्रत्यय (तीसरा संशोधन) नियम, 2005 है।

(2) ये 15 मार्च, 2005 से प्रवृत्त होंगे।

2. केन्द्रीय मूल्य वर्धित कर प्रत्यय नियम, 2004 के नियम 5 में स्पष्टीकरण के स्थान पर निम्नलिखित स्पष्टीकरण रखा जाएगा, अर्थात् :-

‘स्पष्टीकरण.- इस अधिसूचना के प्रयोजनों के लिए, “उत्पादित सेवा जो निर्यात की जाती है” शब्दों से सेवा निर्यात नियम, 2005 के अनुसार निर्यात की गई उत्पादित कराधेय सेवाएं अभिप्रेत हैं।’

[फा. सं. बी2/4/2004-टीआरयू]

वि. शिवसुब्रमणियन, उप सचिव

टिप्पणी: मूल नियम अधिसूचना सं.23/2004-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क (एनटी), तारीख 10 सितम्बर, 2004 द्वारा अधिसूचित किए गए थे और भारत के राजपत्र, असाधारण में सा.का.नि. 600(अ), तारीख 10 सितम्बर, 2004 द्वारा प्रकाशित किए गए थे और उनमें अंतिम संशोधन सा.का.नि.136 (अ), तारीख 1 मार्च, 2005 द्वारा प्रकाशित अधिसूचना सं. 13/2005-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क (एनटी), तारीख 1 मार्च, 2005 द्वारा किया गया था।

## MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

## NOTIFICATION

New Delhi, the 3rd March, 2005

No. 16/2005-CENTRAL EXCISE (N.T.)

**G.S.R. 150(E).**— In exercise of the powers conferred by section 37 of the Central Excise Act, 1944 (1 of 1944) and section 94 of the Finance Act, 1994 (32 of 1994), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the CENVAT Credit Rules, 2004, namely:—

1. (1) These rules may be called the CENVAT Credit (Third Amendment) Rules, 2005.  
(2) They shall come into force on the 15th day of March, 2005.
2. In the CENVAT Credit Rules, 2004, in rule 5, for the *Explanation*, the following *Explanation* shall be substituted, namely:—

*Explanation.*— For the purposes of this rule, the words “output service which is exported” means the output taxable services exported in accordance with the Export of Services Rules, 2005.’

[F. No. B2/4/2004-TRU]

V. SIVASUBRAMANIAN, Dy. Secy.

**Note :** The principal rules were notified *vide* notification No. 23/2004-Central Excise (N.T.), dated the 10<sup>th</sup> September, 2004, and published in the Gazette of India Extraordinary *vide* number G.S.R. 600 (E), the 10<sup>th</sup> September, 2004 and last amended *vide* notification No. 13/2005-Central Excise (N.T.), dated the 1<sup>st</sup> March, 2005 and published *vide* number G.S.R. 136 (E), dated the 1<sup>st</sup> March, 2005.

## अधिसूचना

नई दिल्ली, 3 मार्च, 2005

सं. 9/2005-सेवा कर

**सा.का.नि. 151(अ).**— केन्द्रीय सरकार, वित्त अधिनियम, 1994 (1994 का 32) की धारा 94 की उपधारा (1) और उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ— (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम सेवा निर्यात नियम, 2005 है ।  
(2) ये 15 मार्च, 2005 से प्रवृत्त होंगे ।
2. परिभाषाएं— इन नियमों में, जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो,—
  - (क) “अधिनियम” से वित्त अधिनियम, 1994 (1994 का 32) अभिप्रेत है ;
  - (ख) “निवेश” का वही अर्थ होगा जो केन्द्रीय मूल्यवर्धित कर प्रत्यय नियम, 2004 के नियम 2 के खंड (ट) में है ;
  - (ग) “निवेश सेवा” का वही अर्थ होगा जो केन्द्रीय मूल्यवर्धित कर प्रत्यय नियम, 2004 के नियम 2 के खंड (ठ) में है ।

3. कराधेय सेवा का निर्यात - कराधेय सेवा के निर्यात से अभिप्रेत है,-

(1) अधिनियम की धारा 65 के खंड (105) के उपखंड (घ), उपखंड (त), उपखंड (थ), उपखंड (फ) और उपखंड (ययथ) में विनिर्दिष्ट कराधेय सेवाओं के संबंध में ऐसी कराधेय सेवाएं जो भारत से बाहर स्थित किसी स्थावर संपत्ति के संबंध में दी जाती हैं।

(2) अधिनियम की धारा 65 के खंड (105) के उपखंड (क), (च), (ज), (झ), (ञ), (ट), (ड), (ढ), (ण), (घ), (न), (प), (ब), (भ), (म), (य), (यख), (यग), (यझ), (यज), (यढ), (यण), (यथ), (यद), (यम), (यप), (यफ), (यब), (ययक), (ययग), (ययघ), (ययच), (ययछ), (ययज), (ययझ), (ययञ), (ययठ), (ययड), (ययढ), (ययण), (ययत), (ययध), (ययन), (ययफ), (ययब), (ययभ) और (ययम) में विनिर्दिष्ट कराधेय सेवाओं के संबंध में, ऐसी सेवाएं जो भारत से बाहर की जाती हैं :

परंतु यदि ऐसी कोई कराधेय सेवा भागतः भारत से बाहर की जाती हैं तो यह माना जाएगा कि वह भारत से बाहर की गई है।

(3) अधिनियम की धारा 65 के खंड (105) के,-

(i) उपखंड (क), (च), (ज), (झ), (ञ), (ट), (ड), (ढ), (ण), (त), (थ), (घ), (न), (प), (फ), (ब), (भ), (म), (य), (यख), (यग), (यझ), (यज), (यढ), (यण), (यथ), (यद), (यम), (यप), (यफ), (यब), (ययक), (ययग), (ययघ), (ययच), (ययछ), (ययज), (ययझ), (ययञ), (ययठ), (ययड), (ययढ), (ययण), (ययत), (ययध), (ययन), (ययफ), (ययब), (ययम) और (ययम) में विनिर्दिष्ट कराधेय सेवाओं ; और

(ii) उपखंड (घ) में विनिर्दिष्ट कराधेय सेवाएं जो किसी स्थावर संपत्ति के संबंध में दी जाती हैं, से भिन्न कराधेय सेवाओं के संबंध में,-

(i) ऐसी कराधेय सेवाएं जो वाणिज्य या उद्योग में या उसके संबंध में दी जाती हैं और उपयोग की जाती हैं और ऐसी सेवाओं का प्राप्तकर्ता भारत से बाहर अवस्थित है :

परंतु यदि ऐसा प्राप्तकर्ता कोई वाणिज्यिक या औद्योगिक स्थापन या उससे संबंधित कोई कार्यालय भारत में रखता है, तो ऐसी दी गई कराधेय सेवा केवल निर्यात के लिए मानी जाएगी, यदि

(क) ऐसी सेवा की व्यवस्था के लिए आदेश ऐसी सेवा के प्राप्तकर्ता द्वारा भारत से बाहर अवस्थित उसके किसी वाणिज्यिक या औद्योगिक स्थापन या किसी कार्यालय से किया गया है ;

(ख) इस प्रकार आदेश की गई सेवा भारत से बाहर प्रदान की जाती है और उसका भारत से बाहर कारबार में उपयोग किया जाता है ; और

(ग) प्रदान की गई ऐसी सेवा के लिए संदाय सेवा प्रदाता द्वारा संप्रतिवर्तनीय विदेशी मुद्रा में प्राप्त किया जाता है ;

(ii) ऐसी कराधेय सेवाएं जो वाणिज्य या उद्योग में या उसके संबंध से भिन्न प्रदान की जाती हैं या उपयोजित की जाती हैं, यदि कराधेय सेवा का प्राप्तकर्ता सेवाएं प्राप्त करते समय भारत से बाहर अवस्थित है।

स्पष्टीकरण - इस नियम के प्रयोजन के लिए "भारत" के अन्तर्गत भारत सरकार के विदेश मंत्रालय की अधिसूचना सं. का.आ. 429(अ) तारीख 18 जुलाई, 1986 और का.आ. 643(अ) तारीख 19 सितम्बर, 1996 द्वारा घोषित महाद्वीपीय मग्नतट भूमि और भारत के अनन्य आर्थिक क्षेत्र के रूप में घोषित क्षेत्र अभिहित है।

4 कर संदाय के बिना निर्यात - कोई सेवा, जो अधिनियम की धारा 65 के खंड (105) के अधीन कराधेय हैं सेवा कर का संदाय किए बिना निर्यात की जा सकेगी।

5. सेवा कर रिबेट - जहां किसी कराधेय सेवा का निर्यात किया जाता है वहां केन्द्रीय सरकार, अधिसूचना द्वारा, यथास्थिति, ऐसी कराधेय सेवा या सेवा कर या निवेश सेवा या निवेशों पर संदत्त शुल्क, ऐसी कराधेय सेवाएं देने में उपयोग की गई हैं और रिबेट ऐसी शर्तों या परिसीमाओं, यदि कोई हो, और ऐसी प्रक्रिया की पूर्ति के अधीन होगी जो अधिसूचना में विनिर्दिष्ट की जाए।

[फा. सं. बी2/4/2004-टीआरयू]

वि. शिवसुब्रमणियन, उप सचिव

## NOTIFICATION

New Delhi, the 3rd March, 2005

## No. 9/2005-SERVICE TAX

**G.S.R. 151(E).**—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) and sub-section (2) of section 94 of the Finance Act, 1994 (32 of 1994), the Central Government hereby makes the following rules, namely:-

1. Short title and commencement.- (1) These rules may be called the Export of Services Rules, 2005.  
(2) They shall come into force on the 15th day of March, 2005.
2. Definitions.- In these rules, unless the context otherwise requires,-
  - (a) "Act" means the Finance Act, 1994 (32 of 1994);
  - (b) "input" shall have the meaning assigned to it in clause (k) of rule 2 of the CENVAT Credit Rules, 2004;
  - (c) "input service" shall have the meaning assigned to it in clause (l) of rule 2 of the CENVAT Credit Rules, 2004.
3. Export of taxable service.- The export of taxable service shall mean,-
  - (1) in relation to taxable services specified in sub-clauses (d), (p), (q), (v) and (zzq) of clause (105) of section 65 of the Act, such taxable services as are provided in relation to an immoveable property which is situated outside India;
  - (2) in relation to taxable services specified in sub-clauses (a), (f), (h), (i), (j), (l), (m), (n), (o), (s), (t), (u), (w), (x), (y), (z), (zb), (zc), (zi), (zj), (zn), (zo), (zq), (zr), (zt), (zu), (zv), (zw), (zza), (zzc), (zsd), (zzf), (zzg), (zzh), (zzi), (zzj), (zsl), (zzm), (zzn), (zzo), (zzp), (zss), (zst), (zzv), (zzw), (zzx) and (zzy) of clause (105) of section 65 of the Act, such services as are performed outside India:

Provided that if such a taxable service is partly performed outside India, it shall be considered to have been performed outside India;

- (3) in relation to taxable services, other than,-
  - (i) the taxable services specified in sub-clauses (a), (f), (h), (i), (j), (l), (m), (n), (o), (p), (q), (s), (t), (u), (v), (w), (x), (y), (z), (zb), (zc), (zi), (zj), (zn), (zo), (zq), (zr), (zt), (zu), (zv), (zw), (zza), (zzc), (zsd), (zzf), (zzg), (zzh), (zzi), (zzj), (zsl), (zzm), (zzn), (zzo), (zzp), (zss), (zst), (zzv), (zzw), (zzx) and (zzy); and
  - (ii) the taxable service specified in sub-clause (d) as are provided in relation to an immoveable property,  
of clause (105) of section 65 of the Act,-
    - (i) such taxable services which are provided and used in or in relation to commerce or industry and the recipient of such services is located outside India:

Provided that if such recipient has any commercial or industrial establishment or any office relating thereto, in India, such taxable services provided shall be treated as export of services only if-

- (a) order for provision of such service is made by the recipient of such service from any of his commercial or industrial establishment or any office located outside India;
- (b) service so ordered is delivered outside India and used in business outside India; and
- (c) payment for such service provided is received by the service provider in convertible foreign exchange;
- (ii) such taxable services which are provided and used, other than in or in relation to commerce or industry, if the recipient of the taxable service is located outside India at the time when such services are received.

*Explanation.-* For the purposes of this rule "India" includes the designated areas in the Continental Shelf and Exclusive Economic Zone of India as declared by the notifications of the Government of India in the Ministry of External Affairs Nos. S.O.429(E), dated the 18<sup>th</sup> July, 1986 and S.O.643(E), dated the 19<sup>th</sup> September 1996.

4. Export without payment of service tax.- Any service, which is taxable under clause (105) of section 65 of the Act, may be exported without payment of service tax.

5. Rebate of service tax.- Where any taxable service is exported, the Central Government may, by notification, grant rebate of service tax paid on such taxable service or service tax or duty paid on input services or inputs, as the case may be, used in providing such taxable service and the rebate shall be subject to such conditions or limitations, if any, and fulfillment of such procedure, as may be specified in the notification.

[F. No. B2/4/2004-TRU]

V. SIVASUBRAMANIAN, Dy. Secy.

### अधिसूचना

नई दिल्ली, 3 मार्च, 2005

सं. 10/2005-सेवा कर

सा.का.नि. 152(अ).—केन्द्रीय सरकार, वित्त अधिनियम, 1994 (1994 का 32) की धारा 93 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह समाधान हो जाने पर कि लोक हित में ऐसा करना आवश्यक है, भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की, नीचे सारणी के स्तंभ (2) में यथाविनिर्दिष्ट, निम्नलिखित अधिसूचनाओं को उन बातों के सिवाय विखंडित करती है जो ऐसे विखंडन के पूर्व की गई थीं या जिनका किए जाने से लोप किया गया था, अर्थात् :-

### सारणी

क्रम सं.	अधिसूचना सं. और तारीख
(1)	(2)
1.	21/2003-सेवाकर, तारीख 20 नवम्बर, 2003 जो भारत के राजपत्र, असाधारण में सा.का.नि. 897(अ), तारीख 20 नवम्बर, 2003 द्वारा प्रकाशित की गई थी।
2.	28/2004-सेवाकर, तारीख 17 सितम्बर, 2004 जो भारत के राजपत्र, असाधारण में सा.का.नि. 616(अ), तारीख 17 सितम्बर, 2004 द्वारा प्रकाशित की गई थी।

2. यह अधिसूचना 15 मार्च, 2005 को प्रवृत्त होगी।

[फा. सं. बी2/4/2004-टीआरयू]

वि. शिवसुब्रमणियन, उप सचिव

### NOTIFICATION

New Delhi, the 3rd March, 2005

No. 10/2005-SERVICE TAX

G.S.R. 152(E).—In exercise of the powers conferred by section 93 of the Finance Act, 1994 (32 of 1994), the Central Government, on being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby rescinds the following notifications of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue), as specified in column (2) of the Table below, except as respects things done or omitted to be done before such rescission, namely:-

SI/15-2

Table

S. No.	Notification No. and date
(1)	(2)
1.	21/2003-Service Tax, dated the 20 <sup>th</sup> November, 2003 which was published in the Gazette of India, Extraordinary, <i>vide</i> number G.S.R. 897(E), dated the 20 <sup>th</sup> November, 2003.
2.	28/2004-Service Tax, dated the 17 <sup>th</sup> September, 2004 which was published in the Gazette of India, Extraordinary, <i>vide</i> number G.S.R. 616(E), dated the 17 <sup>th</sup> September, 2004.

2. This notification shall come into force on the 15th day of March, 2005.

[F. No. B2/4/2004-TRU]

V. SIVASUBRAMANIAN, Dy. Secy.